International Federation of Library Associations and Institutions

पेशेवर पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देश

इन दिशा-निर्देशों को इफ्ला पेशेवर समिति द्वारा अगस्त 2012 में आयोजित की गई मीटिंग में समर्थन दिया गया।

कार्यकारी सारांश

ये दिशा-निर्देश साल 2000 में पिछले महत्वपूर्ण संशोधन को प्रतिस्थापित करते हैं और 21वीं सदी में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के प्रावधान में विकास को दर्शाती सामग्री को लाइब्रेरी स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करते हैं। यह पुस्तकालय और सूचना शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक उद्देश्यों के लिए रूपरेखा निर्धारित करते हैं: जैसे कि शिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किए जाने वाले मूल और उपयोगी पाठ्यक्रम तत्वों की आवश्यकताएं, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की इन कार्यक्रमों के लिए आवश्यकताएं और इन कार्यक्रमों के अन्य संसाधनों के सहयोग पर आधारित होने की आवश्यकता।

विषय-सूची

व्यवसायिक पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देश.....1

कार्यकारी सारांश.....1

परिचय.....2

उद्देश्य.....3

दिशा-निर्देश.....3

दि-नि. 1 विस्तृत रूपरेखा 3

दि-नि. 2 पाठ्यक्रम के तत्व.....4

दि-नि. 3 पाठ्यक्रम.....5

दि-नि. 4 संकाय और कर्मचारी.....7

पेशेवर पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देश, 2012।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये। इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

दि-नि. 5 छात्र.....8

दि-नि. 6 समर्थन.....8

दि-नि. 7 निर्देशात्मक संसाधन और सुविधाएं.....9

संदर्भ.....10

परिचय

पुस्तकालय / सूचना शैक्षिक कार्यक्रमों का एक लंबा और विशिष्ट इतिहास है। अतीत में, यह पुस्तकों और अन्य सामग्रियों को पुस्तकालय भवनों में विकसित करने पर केंद्रित थे, जिनके संकाय ने इन सामग्रियों का चयन करना, सूचना प्राप्त करना, व्यवस्थित करना, पुनः प्राप्त करना और प्रसारित करना सीख लिया था । आज पुस्तकालय सूचना शैक्षिक कार्यक्रमों का दायरा भौतिक संग्रह और भवनों से परे इंटरनेट की आभासी दुनिया तक पहुँच चुका है । आज एकाग्रता उपयोगकर्ताओं को, जो आवश्यक रूप से पुस्तकालय भवन या वातावरण में प्रवेश करने में सक्षम या इच्छुक नहीं हो, विभिन्न प्रकार के संदर्भों में सार्वजनिक, निजी और तीसरे क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं के सूचना प्रावधान पर केंद्रित है । क्षेत्र के भीतर भागीदारों के साथ सहयोग जिसमें अभिलेखागार, संग्रहालय और अभिलेख प्रबंधन शामिल है, तेजी से स्पष्ट हो रहा है, इसलिए इन कार्यक्रमों में आम मुद्दों के बारे में जागरूकता वाले विषयों को शामिल करना उचित है। शैक्षिक कार्यक्रम तकनीकी, स्नातक, पेशेवर और अनुसंधान तथा डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान किए जाते हैं। यहां दिए गए दिशा-निर्देश मुख्य रूप से स्नातक और पूर्वस्नातक स्तर जो पेशेवर योग्यता की ओर ले जाते हैं, को संबोधित करते हैं ।

इन दिशा-निर्देशों में पिछला अंतिम महत्वपूर्ण संशोधन साल 2000 में हुआ था। तब से पुस्तकालयाध्यक्षता के पेशे को कई मुद्दों का सामना करना पडा है जिनमें से इंटरनेट और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों और इस से संबंधित प्रभाव जो यह हमारे समाज में लेकर आये प्रमुख हैं। इसने कुछ पुस्तकालय स्कूलों द्वारा एक ही देश में अक्सर सहयोगी स्कूलों द्वारा प्रदान किये जाते पारंपरिक, फिर भी वैध पुस्तकालय शैक्षिक दृष्टिकोण के साथ प्रतिस्पर्धा में आईस्कूल दर्शन को अपनाने के लिए जोर दिया है । इसके अतिरिक्त यह स्पष्ट हो गया है कि पुस्तकालयाध्यक्षता में अन्य संबंधित व्यवसायों जैसे कि अभिलेखीय, संग्रहालय और अभिलेख प्रबंधन अध्ययन के निर्देशात्मक और ज्ञान के आधार को भी अपनी सीमाओं में शामिल करना चाहिए । शैक्षिक कार्यक्रमों के ज्ञान के आधार में स्वदेशी मामलों की चूक को संबोधित करने की भी आवश्यकता थी।

दस्तावेज़ के इस संशोधन के विकास की निगरानी के लिए इफ्ला शिक्षा और प्रशिक्षण स्थायी समिति ने उप समिति नियुक्त की थी । प्रोफेसर गिलियन हॉलम, प्रोफेसर एस.बी. घोष और एसोसिएट प्रोफेसर केरी स्मिथ सदस्य थे। वह संशोधन नीचे प्रस्तुत है।

एसोसिएट प्रोफेसर केरी स्मिथ, FALIA

संयोजक, इफ्ला सेट दिशानिर्देश उप समिति, जुलाई 2012

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/ । यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

उद्देश्य

इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य दुनिया भर के पुस्तकालय और सूचना अध्ययन/विज्ञान (एलआईएस) स्कूलों को उनके शैक्षिक कार्यक्रमों की स्थापना करने और चलाने के लिए अधिमानित अभ्यास के मार्गदर्शक सिद्धांतों का एक समूह प्रदान करना है। यह दिशा-निर्देश इन कार्यक्रमों की समीक्षा और सुधार के साथ-साथ नए कार्यक्रमों को डिजाइन करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं, और इनको तुलना के लिए एक व्यावहारिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। पुस्तकालय और सूचना सेवा क्षेत्रों के लिए नए शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करते समय भी इनका उपयोग किया जाना चाहिए।

यह माना जाता है कि कुछ देशों में व्यापक शैक्षिक मानक होंगे, जिनका पालन करने की आवश्यकता है और यह कि विभिन्न देशों में अनुशासन क्षेत्रों के भीतर पेशेवर संघों के पास शैक्षिक नीति विवरण भी होंगे, जिनकी पुस्तकालय तथा सुचना विज्ञान विभागों द्वारा पालना, विशेष रूप से मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक होगी। यह उम्मीद की जाती है कि दिशा-निर्देशों के इस समूह में दिए गए सिद्धांत ऐसी राष्ट्रीय मान्यता आवश्यकताओं के लिए आधार तैयार करेंगे।

दिशा-निर्देश

दिशा-निर्देशों में शामिल हैं:

दि-नि. 1 विस्तृत रूपरेखा

दि-नि. 2 एलआईएस कार्यक्रमों में शामिल किये जाने वाले मुख्य तत्त्व

दि-नि. 3 पाठ्यक्रम

दि-नि. 4 संकाय और कर्मचारी

दि-नि. 5 छात्र

दि-नि. 6 समर्थन

दि-नि. 7 निर्देशात्मक संसाधन और सुविधाएं

दि-नि. 1 विस्तृत रूपरेखा

उद्देश्य

संगठनात्मक स्तर पर पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रम का विवरण और स्थिति देश में प्रदान किये जा रहे अन्य व्यावसायिक और पेशेवर शिक्षा के कार्यक्रमों की तुलना में होनी चाहिए। पेशेवर स्तर की तैयारी के लिए, पुस्तकालय/सूचनात्मक शैक्षिक कार्यक्रम डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान का हिस्सा होना चाहिए जिसका निर्देशन विश्वविद्यालय स्तर पर होना चाहिए। पुस्तकालय/सूचना कार्यक्रम अन्य कार्यक्रमों के आधार पर डॉक्टरेट स्तर का अध्ययन प्रदान करने के योग्य होना चाहिए।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

सिद्धांत

उद्देश्य: पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रम के मिशन को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध औपचारिक दस्तावेज़ में स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक कार्यक्रम के मिशन को बड़े राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी संदर्भ में संबोधित करना चाहिए और यह पेशे के गैर-भेदभावपूर्ण मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। इसे सेवा प्रदान किए जा रहे निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और देश की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए, जब तक कि यह एक स्वतंत्र स्थापित संगठन नहीं है इसको अपने मूल संस्थान के मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। एलआईएस कार्यक्रम को संबंधित व्यवसायों और विषयों के बारे में जागरूकता प्रदान करनी चाहिए।

लक्ष्य और उद्देश्य: पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रम को अपने लक्ष्यों को बताना चाहिए और लक्ष्यों से प्राप्त किये विशिष्ट उद्देश्यों की पहचान करनी चाहिए, जो कि दर्शन, सिद्धांत और कार्यक्रम के तरीकों विशेषज्ञता के क्षेत्र, प्रदान की गई तैयारी का स्तर, शिक्षण, सेवा और अनुसंधान मूल्य, और समाज में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं की कथित भूमिका को संबोधित करते हों। लक्ष्यों और उद्देश्यों को मान्यता प्राप्त आधिकारिक निकायों से प्रकाशित शैक्षिक नीति वक्तव्यों के अनुरूप होना चाहिए। उन्हें संबंधित छात्रों के सीखने के परिणामों और मेजबान संस्थान और देश की स्नातक क्षमताओं के अनुसार होना चाहिए।

योजना और मूल्यांकन: कार्यक्रम की स्पष्ट रूप से विकसित, नियमित योजना और मूल्यांकन प्रक्रिया होनी चाहिए। इस प्रक्रिया में पुस्तकालय/सूचना क्षेत्र और बड़े समाज में प्रत्याशित परिवर्तनों के आलोक में नीतियों और प्रक्रियाओं की सतत समीक्षा शामिल होनी चाहिए। योजना और मूल्यांकन गतिविधियों में फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को शामिल किया जाना चाहिए। नियोक्ताओं और अभ्यासिओं से भी सलाह ली जानी चाहिए। कार्यक्रम को देश में मानक नियमों के अनुसार शैक्षिक और/या पेशेवर मान्यता की आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए।

दि-नि. 2 पाठ्यक्रम के तत्व

उद्देश्य

यह महत्वपूर्ण है कि मुख्य पाठ्यक्रम के तत्व नीचे लिखे अनुसार होने चाहिए:

- अतीत के तरीकों को डिजीटल वातावरण में रास्ते के रूप में शामिल करना;
- पाठ्यक्रम में स्वदेशी ज्ञान और तरीकों को शामिल करें।

सिद्धांत

एलआईएस पाठ्यक्रम के मुख्य तत्वों में शामिल होंगे:

1. सूचना पर्यावरण, सूचना समाज के सामाजिक प्रभाव, सूचना नीति और नैतिकता, क्षेत्र का इतिहास।

2. सूचना सृजन, संचार और उपयोग।

3. सूचना की जरूरतों का आकलन करना और उत्तरदायी सेवाओं को डिजाइन करना।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

4. सूचना हस्तांतरण प्रक्रिया।

5. सूचना संसाधनों का प्रबंधन जिसमें संगठन, प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति, सूचना के विभिन्न प्रस्तुतियों और स्वरूपों में संरक्षण शामिल है।

6. अनुसंधान, विश्लेषण और सूचना की व्याख्या।

7. पुस्तकालय और सूचना उत्पादों और सेवाओं के सभी पहलुओं के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग।

8. ज्ञान प्रबंधन।

9. सूचना एजेंसियों का प्रबंधन।

10. सूचना और पुस्तकालय के उपयोग के परिणामों का मात्रात्मक और गुणात्मक मूल्यांकन।

11. स्वदेशी ज्ञान प्रतिमानों के प्रति जागरूकता।

उपरोक्त सभी तत्वों के कवरेज को निर्धारित करना इस दस्तावेज़ के दायरे से बाहर है । हालांकि मूल तत्व 11: स्वदेशी ज्ञान प्रतिमानों के बारे में जागरूकता के संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शन की पेशकश की जाती है:

- स्वदेशी ज्ञान प्रतिमानों के बारे में जागरूकता

  दायरे में निम्नलिखित शामिल हैं:

  - स्वदेशी ज्ञान के महत्व, विविधता या संरचना को समझना
  - स्वदेशी ज्ञान के ढांचे में स्वदेशी प्रक्रियाएँ, दर्शन और भाषा का अंतर्निहित प्रभाव होता है
  - स्वदेशी ग्राहकों की सूचना संसाधनों और सेवा वितरण की आवश्यकताओं की जांच करते समय स्वदेशी अनुसंधान पद्धतियों का उपयोग करने का महत्व

इन विशेषताओं को आगे मूल्यों द्वारा सूचित किया जाएगा । यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यद्यपि स्वदेशी लोगों के बीच कुछ समानताएँ हैं, साथ ही साथ उच्च स्तर की विविधता भी है । इसलिए, प्रत्येक स्वदेशी समुदाय का अपना मूल्य और विषय (अपनी स्वयं की सांस्कृतिक संरचनाओं से अपनी भाषा में व्यक्त) होंगे । हालाँकि विरासत, संरक्षकता, वैधता, नवाचार, सम्मान और भाषा स्वदेशी लोगों में आम मूल मूल्यों और विषयों में शामिल हैं (लिली, 2012) ।

दि-नि. 3 पाठ्यक्रम

उद्देश्य

पाठ्यक्रम में कार्यक्रम के लक्ष्यों और उद्देश्यों के आधार पर पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक अनुभवों की एकीकृत श्रृंखला शामिल होनी चाहिए । इसे छात्रों को पुस्तकालय/सूचना क्षेत्र में अनुसंधान और अभ्यास के लिए एक सैद्धांतिक ढांचा प्रदान करना चाहिए। पेशेवर दक्षताओं को हासिल करने और प्रदर्शित करने के अवसर शैक्षिक कार्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। पेशेवर मुद्दों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम में व्याप्त होनी चाहिए।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं । सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/ । यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें ।

सिद्धांत

सार्वजनिक दस्तावेज: पाठ्यक्रम को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध औपचारिक दस्तावेज़ में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए, जिसमें कार्यक्रम के भीतर प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए लक्ष्य, पूर्वापेक्षाएँ, सामग्री, सीखने के परिणाम और मूल्यांकन विधियों का वर्णन दिया जाना चाहिए।

सामान्य शिक्षा का विस्तार: छात्रों को पुस्तकालय/सूचना पेशेवर कार्यक्रमों के लिए कुल शैक्षिक कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में व्यापक सामान्य शिक्षा (अन्य विषयों से प्रसंग) प्राप्त करनी चाहिए।

मुख्य पुस्तकालय / सूचना पाठ्यक्रम: कार्यक्रमों को सरकार या पेशेवर संघों द्वारा जारी शैक्षिक नीति वक्तव्यों का जो महत्वपूर्ण ज्ञान और कौशल घटकों की पहचान करते हों, उल्लेख करना चाहिए।

प्रैक्टिकल, इंटर्नशिप या फील्डवर्क: कार्यक्रम में छात्रों को व्यावहारिक तरीके से पेशेवर सिद्धांतों और पेशेवर अभ्यास में उनके उपयोग के आपसी तालमेल की सराहना करने की अनुमति देने के लिए उपयुक्त साधनों को शामिल किया जाना चाहिए। आवश्यक सीखने के परिणामों के आधार पर पर निर्भर करती, इसमें अनुसंधान और/या ऐसी परियोजनाएँ भी शामिल हो सकती हैं जिनमें प्लेसमेंट वातावरण में की गई प्रामाणिक व्यावहारिक गतिविधियाँ शामिल हों।

हस्तांतरणीय कौशल: शिक्षण और मूल्यांकन के तरीकों को छात्रों के पारस्परिक संचार कौशल, टीम में काम करने की क्षमता, और समय और कार्य प्रबंधन कौशल को विकसित करने या आगे बढ़ाने के लिए तैयार किये जाने चाहिए। पेशेवर स्तर पर छात्रों के विश्लेषणात्मक और समस्या समाधान करने के कौशल विकसित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

शिक्षण विधियां: जहां दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षण विधियों का उपयोग किया जाता है, वहाँ पाठ्यक्रम की सामग्री और शिक्षा के अनुभव की गुणवत्ता की तुलना ऑनसाइट पेश किए गए अनुभवों से की जानी चाहिए। ऐसे प्रस्तावों के संबंध में प्रलेखन में ऐसे छात्रों की तकनीकी आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए।

पढाई जारी रखना: बदलते समाज में अभ्यास करने वाले लाइब्रेरियन और सूचना विशेषज्ञों को क्षमता बनाए रखने के लिए और शिक्षकों को व्यवहार में मुद्दों और प्रवृत्तियों के बारे में जागरूक रखने के लिए, कार्यक्रम को लाइब्रेरियन और सूचना विशेषज्ञों या भागीदारों के लाभ के लिए या तो उपयुक्त कार्यशालाएं और लघु पाठ्यक्रम आयोजित करने चाहिए या फिर इससे संबंधित अन्य एजेंसियों से साझेदारी करनी चाहिए।

पाठ्यक्रम की नियमित समीक्षा: औपचारिक पाठ्यक्रम समीक्षा की प्रक्रिया नियमित आधार पर होनी चाहिए और अगली समीक्षा 2017 को या उससे पहले होनी चाहिए। इस समीक्षा को नियोक्ताओं, अभ्यासिओं और पेशेवर संघों के साथ-साथ छात्रों और संकाय द्वारा दी जाने वाली जानकारी शामिल होनी चाहिए और इफ्ला मानक समिति द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी।।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

दि-नि. 4 संकाय और कर्मचारी

उद्देश्य

कार्यक्रम के कर्मचारियों की स्थिति और अधिकार मूल संस्थान में समान इकाइयों के बराबर होने चाहिए। शिक्षण और अनुसंधान कर्मचारियों के पास शैक्षणिक, प्रशासनिक क्षमता और नेतृत्व कौशल के तुलनात्मक शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों योग्यताएँ होनी चाहिए।

सिद्धांत

शैक्षणिक स्टाफ: कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शैक्षणिक (शिक्षण) कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त होनी चाहिए। प्रत्येक पूर्णकालिक संकाय सदस्य की योग्यता में निर्दिष्ट शिक्षण क्षेत्रों में अनुसंधान-आधारित क्षमता, तकनीकी दक्षता, शिक्षण में प्रभावशीलता, छात्रवृत्ति का एक निरंतर रिकॉर्ड और उपयुक्त पेशेवर संघों में सक्रिय भागीदारी शामिल होनी चाहिए। पेशेवर स्तर पर कार्यक्रमों के शिक्षकों के लिए, अन्य विषयों में विश्वविद्यालय के शिक्षकों की अपेक्षा की तुलना में छात्रवृत्ति का निरंतर रिकॉर्ड अपेक्षित है।

कार्यक्रम प्रमुख: कार्यक्रम के प्रमुख की स्थिति और अधिकार मूल संस्था में समान इकाइयों के प्रमुखों के बराबर होने चाहिए। कार्यक्रम के प्रमुख के पास शैक्षणिक और व्यावसायिक और प्रशासनिक क्षमता और नेतृत्व कौशल की योग्यताएँ होनी चाहिए, जो कि संकाय के लिए आवश्यक हैं।

फैकल्टी की नियुक्ति: समीक्षा और प्रचार नीतियां : शैक्षिक कार्यक्रम में तुलनीय इकाइयों के समतुल्य पूर्णकालिक संकाय की नियुक्ति, समीक्षा और पदोन्नति के लिए नीतियां और मानक होने चाहिए। सभी पूर्णकालिक फैकल्टी के पास मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित विषयों में डिग्री होनी चाहिए। शैक्षिक शिक्षण कर्मचारियों की सतत शिक्षा और व्यावसायिक विकास के लिए और पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों की प्रासंगिकता और प्रासंगिकता की समीक्षा के लिए स्पष्ट रूप से घोषित नीति होनी चाहिए।

अंशकालिक संकाय: अंशकालिक संकाय उचित रूप से योग्य होना चाहिए और पूर्णकालिक संकाय की शिक्षण दक्षताओं के अनुसार संतुलित और पूरक होना चाहिए। अंशकालिक संकाय से प्राप्त जानकारी को समग्र रूप से कार्यक्रम के साथ समन्वित किया जाना चाहिए।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी: गैर-शैक्षणिक (लिपिकीय, सचिवीय, तकनीकी) कर्मचारियों की योग्यता तुलनीय इकाइयों में व्यक्तियों के समकक्ष होनी चाहिए। कर्मचारियों की संख्या और किस्म संकाय को उनकी जिम्मेदारियों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए।

13. परामर्श: कार्यक्रम के कर्मचारियों को पुस्तकालयों और सूचना एजेंसियों को परामर्श देने का अवसर मिलना चाहिए तांकि शैक्षिक संस्थान और अभ्यास के बीच आपसी तालमेल को विकसित किया जा सके।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

दि-नि. 5 छात्र

उद्देश्य

छात्रों का चयन स्पष्ट रूप से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मानदंडों पर आधारित होना चाहिए जिसमें रुचि, योग्यता, बौद्धिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि और विविधता को संबोधित किया जाना चाहिए।

सिद्धांत

शैक्षणिक नीतियां: छात्रों के लिए भर्ती, प्रवेश, वित्तीय सहायता, नियुक्ति, और अन्य शैक्षणिक और प्रशासनिक नीतियां शैक्षिक कार्यक्रम और शैक्षिक संस्थान के मिशन, लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप होनी चाहिए, और स्पष्ट रूप से गैर-भेदभावपूर्ण होनी चाहिए। नीतियों को कार्यक्रम द्वारा प्रदान किए गए निर्वाचन क्षेत्रों की जरूरतों और मूल्यों को प्रतिबिंबित करना चाहिए। नीतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होनी चाहिए।

प्रवेश: छात्रों का चयन स्पष्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मानदंडों के आधार पर होना चाहिए। रुचि, योग्यता, बौद्धिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि और विविधता को मानदंडों में शामिल किया जाना चाहिए। प्रवेश के लिए मानकों को लगातार लागू किया जाना चाहिए।

अध्ययन का कार्यक्रम: शैक्षिक कार्यक्रम के मिशन, लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप कैरियर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए छात्रों को अध्ययन के सुसंगत कार्यक्रम के निर्माण में सलाहकार सहायता मिलनी चाहिए। छात्र उपलब्धि का मूल्यांकन एक सुसंगत और न्यायसंगत आधार पर प्रदान किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के छात्र और पूर्व छात्रों का मूल्यांकन नियमित आधार पर किया जाना चाहिए।

पूर्ति की आवश्यकताएं: शैक्षिक कार्यक्रम की आवश्यकताओं का एक स्पष्ट विवरण एक औपचारिक दस्तावेज़, जो छात्रों और भावी छात्रों के लिए उपलब्ध हो, में किया जाना चाहिए। आवश्यकताओं को पूरा करने पर, छात्रों को उनके अध्ययन के स्तर के अनुकूल डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाना चाहिए।

दि-नि. 6 समर्थन

उद्देश्य

पुस्तकालय शैक्षिक कार्यक्रम अक्सर उनकी संस्था के भीतर एक बड़ी शैक्षिक इकाई के हिस्से के रूप में पाए जाते हैं और इसके परिणामस्वरूप उच्चतम गुणवत्ता की सुनिश्चित सहायता और सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

सिद्धांत

प्रशासन और वित्तीय: पुस्तकालय/सूचना शैक्षिक कार्यक्रम के प्रशासकों, संकाय और कर्मचारियों को शैक्षिक संस्थान के भीतर और बाहर अन्य संबंधित व्यवसायों और विषयों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और उनके साथ संचार में रहना चाहिए। इसके अलावा कार्यक्रम को संस्था के प्रशासनिक संगठन योजना में बनता स्थान प्राप्त होना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कार्यक्रम की बौद्धिक अखंडता इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप है, पर्याप्त स्वायत्तता होनी चाहिए।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

शासन: निर्णय स्पष्ट रूप से परिभाषित और सार्वजनिक रूप से घोषित नीतियों पर आधारित होने चाहिए। शासन में फैकल्टी, स्टाफ, छात्र, पूर्व छात्र और नियोक्ता की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। प्रमुख निर्णयों और गतिविधियों को प्रलेखित किया जाना चाहिए।

वित्तीय सहायता: शैक्षिक कार्यक्रम को पुस्तकालय और सूचना पाठ्यक्रम अध्ययन अभ्यास की अपेक्षाओं के अनुरूप और अन्यत्र इसी तरह के कार्यक्रमों के तुलनीय विकसित करने और बनाए रखने के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता प्राप्त होनी चाहिए। कार्यक्रम के प्रमुख द्वारा वार्षिक बजट प्रशासित किया जाना चाहिए। समर्थन का स्तर छात्रों की संख्या, संकाय, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारियों, निर्देशात्मक संसाधनों और सुविधाओं से संबंधित होना चाहिए।

दि-नि. 7 निर्देशात्मक संसाधन और सुविधाएं

उद्देश्य

एलआईएस शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए निर्देशात्मक संसाधन और सुविधाएं शैक्षिक कार्यक्रम और संकाय के अनुसंधान प्रयासों का समर्थन करने के लिए वर्तमान और पर्याप्त गहराई, मात्रा की और सुलभ होनी चाहिए।

सिद्धांत

पुस्तकालय संसाधन: छात्रों और संकाय के पास वर्तमान और प्रासंगिक पुस्तकालय संसाधन, जो शैक्षिक कार्यक्रम के शिक्षण और अनुसंधान पहलुओं का समर्थन करते हों, तक पहुंच होनी चाहिए। इनमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपों में प्रकाशन; शिक्षण और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए ग्रंथ सूची और ऑनलाइन उपकरणों की एक श्रृंखला; और अन्य उपयुक्त मीडिया शामिल होने चाहिए। अन्य स्थानों से अतिरिक्त संसाधनों तक पहुँचने के लिए एक प्रक्रिया होनी चाहिए।

सूचना प्रौद्योगिकी संसाधन: कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर और मल्टीमीडिया संसाधन छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होने चाहिए और पाठ्यक्रम और संकाय अनुसंधान के लिए आवश्यक उपयोग के स्तर के लिए पर्याप्त होने चाहिए।

इंटरनेट संसाधन: संकाय और छात्रों के लिए पर्याप्त इंटरनेट की पहुँच और उपलब्धता आवश्यक है। सूचना की स्वतंत्रता के लिए लाइब्रेरियन की चिंताओं पर जोर देने वाले शिक्षण और अनुसंधान के लिए इंटरनेट के स्वीकार्य उपयोग के संबंध में एक नीति बनाई और प्रचारित की जानी चाहिए।

भौतिक सुविधाएं: संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को शैक्षिक कार्यक्रम की भौतिक सुविधाओं को इसके उद्देश्यों को पूरा करने लिए लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करना चाहिए।

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।

संदर्भ

Australian Library and Information Association (ALIA) see: http://www.alia.org.au/education/courses/accreditation.html and http://www.alia.org.au/education/courses/criteria.html
Chartered Institute of Library & Information Professionals (CILIP) (formerly the Library Association (UK)) see: http://www.cilip.org.uk/jobs-careers/qualifications/accreditation/Pages/default.aspx
Lilley, A.S. (2012). *Introducing "Awareness of Indigenous Knowledge Paradigms" IFLA core elements*. Available from: s.c.lilley@massey.ac.nz
Medical Library Association (US), see: http://www.mlanet.org/education/policy/
Special Libraries Association (US), see: http://www.sla.org/content/learn/members/competencies/index.cfm

अनुवादक:

सोनिया बंसल, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना-141004 (पंजाब) भारत और डॉ. रोबिन बंसल

इस दस्तावेज़ के कॉपीराइट अधिकार इफ्ला के पास हैं। सामग्री को क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन 3.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के तहत अनुमति दी गयी है, जिसका अर्थ है कि आप प्रतिलिपि बनाने, वितरित करने, संचारित करने, अनुकूलित करने और व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते हर उपयोग में इफ्ला के अधिकारों का संदर्भ दिया जाये । इस लाइसेंस की प्रति देखने के लिए देखें http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/। यदि आपको अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया इफ्ला मुख्यालय से संपर्क करें।